Naidunia (Indore), 23rd May 2025, Naidunia City, Page - I

इन्वेस्टर्स की पसंद आइआइटी इंदौर, 65 स्टार्टअप को फंडिंग

भरत मानघन्या ● नईदुनिया

इंदौर: फिजियोथेरेपी के दौरान आने वाली ट्रिज्मस की समस्या नहीं होगी। आयुर्वेद में सुगंध के विश्लेषण और मूल्यांकन में इलेक्ट्रानिक नोज मदद करेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले हेल्थकेयर डायग्नोस्टिक्स व कंसल्टेंसी तक पहुंच आसान होगी। ये ऐसे स्टार्टअप हैं, जो आइआइटी इंदौर में तैयार किए हैं। इनकी मदद से समस्याओं के तकनीकी समाधान मिल सकेंगे।

स्टार्टअप को इनक्यूबेट करने और फंडिंग दिलाने के लिए आइआइटी इंदौर युवाओं और इन्वेस्टर्स की पसंद बनते जा रहा है। यहां बने दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन में ऐसे ही स्टार्टअप को मेंटरिंग, टेक्नोलाजी व फंडिंग उपलब्ध करवाई गई है।

18 करोड़ रुपये की फंडिंग दी गई

इंदौर में पिछले कुछ सालों में कई स्टार्टअप शुरू हुए हैं। इनमें से कुछ युवाओं ने स्वयं शुरू किए हैं, तो कुछ ऐसे हैं, जिन्हें शहर के इनक्यूबेशन सेंटर से इनक्यूबेट किया गया है। यहां उन्हें हर प्रकार की सुविधाएं प्रदान की गई। वहीं, मध्यभारत में इंदौर स्टार्टअप को इनक्यूबेट करने के लिहाज से युवाओं की पसंद बनते जा रहा है। यही कारण है कि न सिर्फ इंदौर बल्कि अन्य शहरों के स्टार्टअप इंदौर में इनक्यूबेट हुए हैं और अब सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इसी क्रम में आइआइटी इंदौर स्टार्टअप को सर्वाधिक फंडिंग देने वाला इनक्यूबेशन सेंटर बन चुका है। इनक्यूबेशन सेंटर के अधिकारियों के अनुसार, सेंटर से अब तक करीब सौ स्टार्टअप इनक्यूबेट हुए हैं। इनमें से 65 स्टार्टअप को 18 करोड़ की फंडिंग दी गई है। मध्यभारत में किसी भी इनक्यूबेशन सेंटर के जरिए स्टार्टअप को मिली यह सर्वाधिक फंडिंग है। ये फंडिंग केंद्र सरकार की योजना, इन्वेस्टर्स और सीएसआर के माध्यम से दी गई है। अब तक इन सभी स्टार्टअप की वैल्यूएशन 1100 करोड़ रुपये हो चुकी है। खास बात यह है कि इनमें से टाप 10 स्टार्टअप की वैल्यूएशन 850 करोड़ रुपये हैं। इन फंडिंग के माध्यम से महिला उद्यमियों को भी आगे आने के अवसर मिले हैं। कुल स्टार्टअप्स में से 30 प्रतिशत का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। सर्वाधिक स्टार्टअप हेल्थकेयर से संबंधित है।

टाप 10 स्टार्टअप की वैल्यूएशन 850 करोड़ रुपये तक हो चुकी

आइआइटी इंदौर

दृष्टि सीपीएस के माध्यम से स्टार्टअप डीएसटी के साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से फंडिंग उपलब्ध करवाई जाती है। इसके साथ ही बैंकों के विभिन्न सीएसआर फंड भी युवाओं की राह आसन कर रहे हैं। सेंटर से देश के टाप 10 एंजल इन्वेस्टर्स भी जुड़े होते हैं, जो स्टार्टअप को फंडिंग मुहैया करवाते है।

– वैभव जैन, टेक्निकल आफिसर, दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन

इन योजनाओं का मिला लाभ

- जेनेसेस
- समृद्ध
- स्टार्टअप इंडिया

(ये योजनाएं इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की है।)

इन टाप इन्वेस्टर्स का साथ

- सी फंड
- वेंचर कैटेलिस्ट
- योर नेस्ट वीसी
- बैंकों से मिले सीएसआर फंड